P.G. 3rd SEMESTER SYLLABUS
DEPARTMENT OF HINDI
COTTON UNIVERSITY

Paper Code: HIN901C
Credit : 4(3+1+0)   Total Class : 64

प्रश्न–पत्र का नाम : हिन्दी आलोचना की परंपरा

- ❖ हिन्दी आलोचना का उदय एवं विकास।
- ❖ रामचंद्र शुक्ल(कविता क्या है)।
- ❖ बाबू श्यामसुंदर दास (भूमिका- कबीर ग्रंथावली)।
- ❖ नंददुलारे बाजपेई (प्रेमचंद: एक साहित्यिक विवेचन)।
- ❖ रामविलास शर्मा(परंपरा का मूल्यांकन)।
- ❖ डॉ.नगेन्द्र (सुमित्रानंदन पंत)।
- ❖ हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली (ज्ञानदशा, भावदशा, हृदय की मुक्तावस्था, लोकमंगल, विरुद्धों का सामंजस्य, विभावन व्यापार, विसंगति व विडंबना, सहानुभूति व स्वानुभूति)।

<u>संदर्भ–ग्रंथ :</u>

- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि (दो खण्ड), दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य की भूमिका, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामविलास शर्मा, परंपरा का मूल्यांकन, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामविलास शर्मा, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामविलास शर्मा, भारतेन्दु हरिश्चंद और हिन्दी नवजागरण, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन
  रामविलास शर्मा, नई कविता और अस्तिववाद, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।

****

Paper Code: HIN902C
Credit : 4(3+1+0)   Total Class : 64

प्रश्न–पत्र का नाम : आधुनिक हिन्दी कथा–साहित्य

- ❖ हिन्दी कहानी : उद्भव व विकास।
- ❖ हिन्दी कहानी–I
  - उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा ‘गुलेरी’।
  - पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद।
  - सद्गति : प्रेमचंद।
  - शरणदाता : अज्ञेय।
  - चीफ़ की दावत : भीष्म साहनी।

❖ हिन्दी कहानी–II

- परिंदे : निर्मल वर्मा।
- वैष्णव की फिसलन : हरिशंकर परसाई।
- वापसी : उषा प्रियंवदा।
- सजा : मन्नू भंडारी।
- रमजान में मौत : मंजूर एहतेशाम।

संदर्भ–ग्रंथ :

- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- कमलेश्वर, नई कहानी की भूमिका।
- रामदरश मिश्र, हिन्दी कहानीः अंतररंग परिदृश्य।
- विजय मोहन सिंह, आज की हिन्दी कहानी, दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ।
- नामवर सिंह, कहानीः नई–कहानी, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- विजय मोहन सिंह, समय और साहित्य, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन।
- मारी गौतम, अंतिम दो दशक का हिन्दी साहित्य, दिल्ली, वाणी प्रकाशन ।

****

Paper Code: HIN903C

Credit : 4(3+1+0) Total Class : 64

प्रश्न–पत्र का नाम : हिन्दी नाटक व एकांकी

❖ हिन्दी नाटकों एवं एकांकी का उद्भव व विकास ।

❖ नाटक :

- सत्य हरिश्चंद : भारतेन्दु हरिश्चंद।
- चंद्रगुप्त : जयशंकरप्रसाद।
- आधे-अधूरे : मोहन राकेश।

❖ एकांकी :

- उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा।
- अंडे के छिलके : मोहन राकेश।
- सड़क : विष्णु प्रभाकर।
- नीली झील : धर्मवीर भारती।

- बंदी : जगदीशचंद्र माथुर।

संदर्भ-ग्रंथ :

- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- प्रेम सिंह, सुषमा आर्य, रंग प्रक्रिया के विविध आयाम, नई दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन।
- नील मराठी, साठोत्तरी हिन्दी नाटक, दिल्ली, संजय प्रकाशन।
- गोविंद चातक, रंगमंचः कला और दृष्टि, दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन।
- केदार सिंह, हिन्दी नाटकःकल और आज, दिल्ली, क्लासिकल पब्लिशिंग हाउस।
- नेमीचंद जैन, दृश्य-अदृश्य, दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- देवेन्द्र कुमार गुप्ता, हिन्दी नाट्य शिल्पः बदलती रंगदृष्टि, दिल्ली, पियूश प्रकाशन।
- नेमीचंद जैन, रंग दर्शन, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन।
- बी.बालाचंद्रन, साठोत्तरी हिन्दी नाटकः परंपरा और प्रयोग, कानपुर, अन्नपूर्णा प्रकाशन।
- दयमंती श्रीवास्तव, हिन्दी नाटक में आधुनिक प्रवृत्तियां, इलाहाबाद, राका प्रकाशन।
- गोविंद चातक, आधुनिक हिन्दी नाटकः भाषिक और संवादिक संरचना, नई दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन।
- **Hemendra Nath Das Gupta, The Indian Theatre, Delhi, Gyan Publication .**
- **Ralph Yarrow, Indian Theatre : Theatre of Origin, Theatre of Freedom, Richmond (Surrey), Curzon Press .**

****

Special Paper-1

Paper Code: HIN904S

Credit : 5(4+1+0) Total Class : 80

प्रश्न-पत्र का नाम : मध्यकालीन हिन्दी कविता

- कबीर : पद (92, 109, 118, 130, 134, 137, 141, 162, 163, 176, 177, 179, 181, 187, 190)।
- जायसी : पद्मावत (नखशिख खंड)।
- गोस्वामी तुलसीदास : विनय पत्रिका (पद - 79, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 100, 105, 111, 162, 172, 174, 178, 245)।
- सूरदास : भ्रमरगीत-सार (पद - 42, 52, 62, 64, 85, 97, 130, 136, 178, 181, 210, 278, 289, 296, 346)।
- मीरा : वृहत पदावली (सं. नरोत्तम दास) पद संख्या- 1 से 15।
- शंकरदेव : बरगीत 1 से 5।
- माधवदेव : बरगीत 1 से 5।

निर्धारित-पाठ्यपुस्तकें :

- कबीर - (सं) हजारी प्रसाद द्विवेदी।

- पद्मावत (मलिक मुहम्मद जायसी) – (सं) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
- विनय पत्रिका – गोस्वामी तुलसीदास।
- भ्रमरगीत-सार – (सं) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
- असमीया साहित्य निकष – बी. एन. रायचौधुरी, गौहाटी विश्वविद्यालय प्रकाशन।

संदर्भ-ग्रंथ :

- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- विजेन्द्र स्नातक, कबीर, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- माताप्रसाद गुप्त, कबीर ग्रंथावली, वाराणसी, नागरी प्रचारिणी सभा।
- राजकिशोर (संपा), कबीर की खोज, दिल्ली,वाणी प्रकाशन।
- डॉ.शुकदेव सिंह, संत कबीर और भक्तिपंथ, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- रामचंद्र शुक्ल, जायसी ग्रंथावली, वाराणसी, नागरीप्रचारणी सभा ।
- रामचंद्र शुक्ल, सूरसागर, वाराणसी, नागरीप्रचारिणी सभा।
- वासुदेव शरण अग्रवाल, पद्मावत, वाराणसी, नागरीप्रचारिणी सभा।
- रामविलास शर्मा, परंपरा का मूल्यांकन, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामविलास शर्मा, तुलसीदास और भारतीय सौंदर्यबोध, दिल्ली, साहित्य अकादमी।
- तुलसीदास, रामचरितमानस सटीक, गोरखपुर, गीताप्रेस।
- विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, मीरा का काव्य, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामचंद्र शुक्ल, सूरदास- भ्रमरगीत सार, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।

****

Open Elective

Paper Code: HIN905P

Credit : 4(3+1+0) Total Class : 64

प्रश्न-पत्र का नाम : छायावादी कवि और कविता

(निराला/प्रसाद/पंत/महादेवी)

- ❖ सामाजिक- सांस्कृतिक परिस्थितियां, जीवन, प्रमुखकृतियां, साहित्यिक नवोंमेष,
- ❖ कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन।

- ❖ पंत : प्रथम रश्मि, अनुभूति, परिवर्तन, ग्रामदेवता, मज़दूरनी के प्रति, नारी, द्वंद प्रणय।
- ❖ प्रसाद : विषाद (झरना), 'प्रतिमा में सजीवता सी' से 'किजंल्क जाल हैं बिखरे तक' (आंसू), उठ री लघु लघु लोल लहर, बीती विभावरी जागरी, ओ री मानस मन की गहराई (लहर)।
- ❖ निराला : जूही की कली (परिमल), वसन बासन्ती लेगी (अपरा), तोड़ो तोड़ो कारा (अनामिका), तोड़ती पत्थर (अपरा), स्नेह निर्झर बह गया, खेत जोत कर घर आए हैं।
- ❖ महादेवी : अलि ! मैं कण कण को जान चली, मैं प्रिय को पहचान ती नहीं, तुम मुझ में प्रिय, फिर परिचय क्या !, जीवन विरह का जलजात, नीर भरी दुखकी बदली, बताता जा रे अभिमानी !

संदर्भ-ग्रंथ :

- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी-साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- नंदकिशोर नवल, समकालीन काव्य यात्रा।
- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, समकालीन हिन्दी कविता, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, आधुनिक कविता यात्रा, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।
- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, आधुनिक हिन्दी कविता, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- डॉ.हरदयाल, हिन्दी कविता का समकालीन परिदृश्य, अलेश प्रकाशन।
- राजेश जोशी, समकालीन कविता और समकालीनता।
- ए.अर विंदाक्षन, समकालीन कविता की भारतीयता, कलकत्ता, आनंद प्रकाशन।
- बाली सिंह, कविता की समकालीनता।
- शोभा नाथ यादव, कवियत्री महादेवी।
- तारक नाथ बाली, महादेवी वर्मा।
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, कामायनीः पुनर्मूल्यांकन, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।
- सत्य प्रकाश दीक्षित, महाप्राण निराला।
- बच्चनसिंह, क्रांतिकारी कवि निराला।
- रवि श्रीवास्तव, परंपरा इतिहास बोध और साहित्य, पोयिन्टियर प्रकाशन।

****